कार्य का नामः– **माननीय मुख्यमन्त्री घोषणा संख्या 1732/2015 के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट के अन्तर्गत अस्कोट से कूटा मोटर मार्ग का कार्य।**

प्रस्तावित कार्य हेतु वनभूमि के मांग का पूर्ण औचित्य

वर्तमान में ग्राम **देवल, खोलियागांव, दारती, खडयानी** और छब्बीसा की लगभग **1914** जनसंख्या को अपने दैनिक उपभोग की सामाग्री प्राप्त करने के लिये 8.00 से 10.00 कि0मी0 पैदल पहाडी विषम रास्तों से चलकर जाना पडता है क्योंकि उन गांवों को जोडने हेतु कोई मोटर मार्ग नही है। निकटस्थ मोटर मार्ग की दूरी **10** कि0मी0 होने के कारण गांव में किसी के बिमार होने पर कठिन रास्तों से डोली या कंधे में मरीज को लाने तथा मोटर मार्ग से चिकित्सालय तक पहुंचने में अत्यन्त देरी होती है जिस कारण अनेक लोग हर रोज खतरों में जीवन यापन कर रहे हैं।

यह क्षेत्र मोटर मार्ग से जुडा हुआ नही होने के कारण पिछडा हुआ है। ग्रामिणों का मुख्य व्यवसाय खेती बाडी एवं भेड़पालन है। अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचने में ग्रामीणों को पहाड़ के फिसलन भरे रास्तों से जाने आने में प्रतिदिन कठिनाईयों का सामना करना पडता है। इस क्षेत्र के प्रमुख उपज राजमा, धान व जडी–बूटियां है जिन्हें बाजार में अच्छे दाम प्राप्त होते हैं, किन्तु मोटर मार्ग के अभाव में यह संभव नही हो पा रहा है।

इस मार्ग में आ रही न्यूनतम वनभूमि **4.915** हे0 के हस्तान्तरण हेतु यह प्रस्ताव गठित किया जा रहा है। विस्तृत सर्वेक्षण के उपरान्त प्रस्तावित संरेखन के अलावा अन्य कोई सरलतम मार्ग नही होने के कारण इस संरेखन के अलावा अन्य किसी संरेखन में इससे कम वनभूमि एवं कम वृक्ष नही आ रहे हैं। मोटर मार्ग की कुल चौडाई 9.00 मी0 ली गई है एवं 6.00 मी में वृक्षों की गणना की गई है। मोटर मार्ग का भूगर्भिय सर्वेक्षण कर लिया गया है एवं उनके द्वारा मोटर मार्ग बनाया जाना उचित पाया गया है। इस मार्ग में कोई एतिहासिक भवन, राष्ट्रीय संरक्षित क्षेत्र, धार्मिक भवन एवं कब्रिस्तान नही पड़ रहे हैं।

इस मोटर मार्ग के बनने से ग्रामीणों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में वृद्वि होने से पहाडों से लोगों के पलायन को रोका जा सकेगा एवं पर्वतीय उपयोगी उत्पाद प्राप्त होंगे।

उक्त परिपेक्ष्य में क्षेत्रीय जनता की सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति हेतु इस मोटर मार्ग का बनाया जाना अति आवश्यक है। अतः कुल **4.915** हे0 वनभूमि प्रत्यावर्तन के लिये यह प्रस्ताव स्वीकृति हेतु प्रस्तुत है।

प्रभागीय वन अधिकारी
पिथौरागढ़ वन प्रभाग

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड,लो0नि0वि0,
अस्कोट(पिथौरागढ़)